केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान करनाल में
स्वच्छता पखवाडा समापन समारोह आयोजित किया गया।

भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग व भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के आदेशानुसार संस्थान में स्वच्छता ही सेवा–स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत आज दिनांक 31 दिसम्बर 2020 को समापन समारोह तथा पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। सर्वप्रथम संस्थान के निदेशक डा. प्रबोध चन्द्र शर्मा ने मुख्य अतिथि श्रीमती रेणु बाला गुप्ता, मेयर, नगर निगम करनाल का स्वागत किया तथा साफ–सफाई के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि स्वच्छता जीवन का आवश्यक अंग है।

मुख्य अतिथि श्रीमती रेणु बाला गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा की हर मौसम में स्वच्छता का होना बहुत जरूरी है। महात्मा गांधी ने देश को स्वच्छता का संदेश दिया था। यदि हमारा देश स्वच्छ होगा तभी यहां के नागरिको का स्वास्थ्य अच्छा होगा। हमारे शहर करनाल का नाम हरियाणा में पहले पायदान पर आ चुका है। उन्होने कहा की हमें कुडा–कर्कट की कम्पोस्ट खाद बनानी चाहिए। पालीथीन बैग का प्रयोग नहीं करना चाहिए। उन्होने संस्थान द्वारा 50 गांव गोद लेकर उनमें अनुसंधान के साथ–2 स्वच्छता अभियान चलाने की प्रशंसा की। उन्होने आशा व्यक्त की कि स्वच्छता के मामले में हमारा शहर करनाल राष्ट्रीय स्तर पर नम्बर एक पर अवश्य आएगा। उन्होने तथा निदेशक महोदय ने स्वच्छता प्रतियोगिता विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित किया तथा गांव बुढनपुर की स्वयं सहायता समुह की 16 महिलाओं को स्वरोजगार द्वारा जीविका कमाने के लिए सिलाई मशीने वितरित की। उन्होने संस्थान में नगर निगम द्वारा ओपन एयर जिम लगावाने की घोषणा भी की।

प्रभागाध्यक्ष डा. अनिल कुमार ने कहा की स्वच्छता, निर्मलता और पवित्रता ऐसे शब्द है जिनको हम नित्य जीवन में प्रयोग करते है। हमें अपने आस पास सफाई रखनी चाहिए। डा. एम. जे. कलेढोनकर ने कहा की स्वच्छता हर नागरिक का मौलिक अधिकार है और यह अपनी इच्छा से होती है। और डा. आर. के. यादव ने कहा कि जल और हवा साफ होनी चाहिए। गांव बुढनपुर से आई स्वंय सहायता ग्रुप की अध्यक्षा श्रीमती कविता नें संस्थान द्वारा सिलाई मशीन दिए जाने पर आभार व्यक्त किया और कहा कि इससें हमें आजीविका कमाने में सहायता मिलेगी । नोडल अधिकारी डा. अश्वनी कुमार ने बताया की यह पखवाडा 16 दिसंबर 2020 को निदेशक महोदय डा. प्रबोध चन्द्र शर्मा के नेतृत्व में प्रारम्भ हुआ था। विभिन्न चरणों में यह जागरूकता तथा सफाई अभियान सारे संस्थान तथा कई गांवों में चलाया गया। इस दौरान निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर, ड्रांईग, नाटक प्रतियोगिता सफाई विषय पर आयोजित की गई। इस अवसर पर संस्थान के सभी वैज्ञानिक, अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

“स्वच्छता ही सेवा है”
“स्वच्छता ही सेवा है”
स्वच्छता पखवाड़ा
प्रबोध चन्द्र शर्मा
निदेशक